नयी लाइनों का सर्वेक्षण हो चुका है, उनके निर्माण के बारे में विचार होगा या नहीं या यदि होगा भी तो कब क्योंकि यह यातायात के औचित्य और धन की उपलब्धि पर निर्भर करता है।

रेलवे दुर्घटनाएं

8976. **श्री टी० पी० शाह :**
श्री कंवर लाल गुप्त :

क्या रेलवे मन्त्री रेलवे दुर्घटनाओं के बारे में 16 अप्रैल, 1968 के अतारांकित प्रश्न संख्या 7286 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि कितने रेलवे कर्मचारी दुर्घटनाओं के लिये जिम्मेदार पाये गये और उनमें से कितने कर्मचारियों के विरुद्ध कार्यवाही की गई है ?

रेलवे मन्त्री (श्री चं० भा० पुनाचा) : 10-10-67 से 31-12-67 की अवधि में भारतीय रेलों पर गाड़ियों की टक्कर, गाड़ियों का पटरी से उतर जाना, समपारों पर गाड़ियों की सड़क यातायात से टक्कर और गाड़ियों में आग लगने की कोटियों में 265 गाड़ी दुर्घटनाएं हुई। इन दुर्घटनाओं में 295 रेल कर्मचारियों को जिम्मेदार ठहराया गया।

188 व्यक्तियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई को अन्तिम रूप दिया जा चुका है और अन्य लोगों के विरुद्ध अनुशासन सम्बन्धी कार्रवाई की जा रही है।

सरकारी उपक्रमों के अध्यक्ष

8977. **श्री टी० पी० शाह :**
श्री कंवर लाल गुप्त :

क्या औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि श्री केशव देव मालवीय ने एक सरकारी कारखाने का अध्यक्ष बनने के बाद कांग्रेस की सभाओं/बैठकों में भाषण दिये हैं;

(ख) यदि हां, तो क्या वे व्यक्ति जो सरकारी उपक्रमों के अध्यक्ष हैं या किसी अन्य पद पर काम कर रहे है राजनीति में भाग ले सकते हैं;

(ग) यदि नहीं तो क्या सरकार ने इस बारे में कोई नियम बनाये हैं और यदि हां तो उनका ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार ने ऐसे सभी व्यक्तियों से राजनैतिक दलों से त्यागपत्र देने के लिये कहा है ?

औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मन्त्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) : (क) खबर है कि रांची कांग्रेस कमेटी के अनुरोध पर 24 मार्च, 1968 को हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन के चेयरमैन श्री केशव देव मालवीय ने कमेटी की एक बैठक में भाषण दिया था।

(ख) से (घ). कारपोरेशन की आचरण संबंधी नियमावली के अनुसार कारपोरेशन का कोई कर्मचारी न तो किसी राजनैतिक दल का सदस्य ही बन सकता है और न किसी राजनैतिक आन्दोलन अथवा गतिविधि को प्रोत्साहन ही दे सकता है। श्री मालवीय कारपोरेशन के अवैतनिक चेयरमैन हैं और ऊपर उल्लिखित आचरण संबंधी नियम उन के ऊपर लागू नहीं होते।

राज्य व्यापार निगम के अधिकारियों के लिये निवास तथा भोजन की व्यवस्था

8978. **श्री टी० पी० शाह :** क्या वाणिज्य मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राज्य व्यापार निगम ने अपने अधिकारियों के लिये जब वे विदेश जायें निवास तथा भोजन की व्यवस्था के लिये कोई नियम बनाये हैं;

(ख) क्या यह सच है कि उनको केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों को मिलने वाले भत्तों से अधिक भत्ते दिये जाते हैं;

(ग) क्या यह भी सच है कि इस निगम